an>

Title: Need to develop a road map for distribution, availability and optimum utilisation of water resources in the country with particular focus on Bundelhand region under IMPRINT India Scheme.

कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल (हमीरपुर)ः जल की कमी एवं कृषि के विकल्प के रूप में अन्य आजीविका के संसाधनों का विकास बुन्देलखुड सहित आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में न होने के कारण युवा परेशान एवं हतप्रभ हैं तथा कठिन जीवन परिस्थितियां उनकी हर पल परीक्षा ले रही हैं। यह मानसिक उचाट कभी-कभी विद्रोह के रूप में समाज के मध्य प्रस्फुटित होता रहा है एवं इन घटनाओं का उल्लेख सर्वविदित है। अतः नए युग में भारत के विकास में बुंदेलखंड सहित देश के सभी पिछड़े क्षेत्र भी अपना योगदान दें, इसलिए यह जरूरी है कि जल संसाधनों के विकास एवं समुचित उपयोग हेतु नवीन प्रणालियों तथा शोध के साथ-साथ पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन पर भी जोर दिया जाए।

भारत सरकार द्वारा वर्तमान में "इंप्रिंट इंडिया" योजना के अंतर्गत विभिन्न समस्याओं के निदान हेतु शोध कार्यक्रमों की शुरूआत की गई है जो एक सराहनीय कदम है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत चुने एक विषय विशेषकर जल संसाधन एवं नदी प्रणाली को सम्मिलित करने पर मैं सरकार को विशेष बधाई देता हूं। हमीरपुर, महोबा सहित पूरे बुंदेलखंड में पेयजल और सिंचाई एक बहुत गंभीर समस्या है। इस क्षेत्र का किसान और मजदूर पारम्परिक ज्ञान की व्यवहारिक समझ और आपसी सौहार्द के कारण अपने जीवन की बहुत मुश्किल से रक्षा कर पा रहा है। जल संसाधन एवं नदी प्रणाली के शोध कार्यों को बुंदेलखंड का मानस अपने अस्तित्व से जोड़कर देख रहा है और इस शोध में लगे वैज्ञानिकों को उनके भगीरथ प्रयास के लिए शुभकामनाएं देता हूं और यह आशा करता हूं कि वर्तमान केन्द्र सरकार के प्रयासों से बुंदेलखंड सहित सम्पूर्ण देश में विकास की गंगा बहेगी।